मिट्टी के उत्तम मिश्रण तैयारी हेतु नवाचार

पौधशालाओं में पौध तैयारी हेतु थैलियां भरने हेतु खाद, चिकनी मिट्टी एवं रेत का 1:1:1 अनुपात में मिश्रण तैयार कर काम में लिया जाता है। उक्त मिश्रण बनाने हेतु चिकनी मिट्टी एवं मींगनी की खाद को अलग–अलग कूटने व कुटी हुई चिकनी मिट्टी व खाद को अलग–अलग छानकर, छनी रेत के साथ मिश्रण बनाने की प्रक्रिया में अत्यधिक श्रम एवं समय लगता है। इससे उत्तम किस्म की पौध तैयारी पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। श्रम एवं समय की बचत तथा उत्तम गुणवत्ता का मिश्रण तैयार हो इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुये ग्रास फार्म नर्सरी, खातीपुरा रोड़, जयपुर में नवाचार किया जाकर चिकनी मिट्टी व मींगनी की खाद को कूटने व छानने हेतु पूरी प्रक्रिया यांत्रिक (Mechanise) की गई है। इस प्रक्रिया से श्रमिकों की आवश्यकता बहुत कम हो गयी है तथा समय की भी भारी बचत हुई है। इस प्रक्रिया से मिश्रण की गुणवत्ता उत्तम कोटि की होगी जिसका पौध तैयारी पर सकारात्मक प्रभाव होना निश्चित है।

खाद एवं मिट्टी पीसने की मशीन

मशीन का विवरणः–

खाद एवं चिकनी मिट्टी पीसकर छानने की यह मशीन बिजली से संचालित होती है। यह मशीन थ्रेसर तकनीक पर कार्य करती है। मशीन में मींगनी की खाद एवं चिकनी मिट्टी को गाले (Input) में डाला जाता है जिसमें खाद एवं चिकनी मिट्टी को कूटने एवं पीसने की व्यवस्था की गई है। कूटने एवं पीसने के बाद खाद एवं मिट्टी को छानने हेतु एक छलनी लगायी गयी है जो पुली के द्वारा मोटर से संचालित होती है। छनने के बाद पिसा हुआ खाद एवं चिकनी मिट्टी आउटलेट द्वारा इकठ्ठी होती होती रहती है। मशीन से चिकनी मिट्टी व मींगनी के खाद को कूट छानकर आसानी से तैयार किया जाता है। यह मशीन 2 H.P की मोटर द्वारा संचालित है। मशीन की उत्पादक क्षमता चिकनी मिट्टी 55 घन फुट प्रति घण्टा एवं मींगनी की खाद 27 घन फुट प्रति घण्टा है। आवश्यकतानुसार मशीन की 3 H.P की मोटर लगाकर उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है।

सावधानियाँः–

1. मशीन में चिकनी मिट्टी व मींगनी की खाद को अलग–अलग ही कूटना व छानना चाहिये।
2. खाद एवं चिकनी मिट्टी पूरी तरह सूखी हुई ही मशीन में प्रयोग में ली जावे।
3. मशीन के संचालन के दौरान मिट्टी में पत्थर, कंकड़ होने पर उनके उछलकर बाहर आने की संभावना बनी रहती है व धूल उड़ती है, अतः मशीन के गाले (Input) पर कार्य करने वाले व्यक्ति/श्रमिक को हेलमेट एवं मास्क का प्रयोग आवश्यक रूप से करना चाहिये।
4. मशीन विद्युत चालित होने के कारण बिजली के तारो को खुला नहीं रखा जावे तथा विद्युत दुर्घटना न हो इस हेतु विशेष सावधानी बरती जावे।
5. वर्षा ऋतु में भी मशीन को शेड में रखकर सूखी खाद व चिकनी मिट्टी को कूटा व छाना जा सकता है।
6. मशीन को वर्षा व नमी पानी से बचाकर रखे जाने की आवश्यकता है।
7. मशीन के उपयोग के दौरान विशेष ध्यान रखा जावे कि गाले में मिट्टी/खाद को तगारी से धीरे–धीरे डालें। एक साथ अधिक मात्रा में डालने पर मशीन का थ्रेसर काम करना बंद कर देता है। अधिक लोड बढ़ने से विद्युत मोटर जलने की संभावना भी रहती है।

पिसी हुई मिट्टी

पिसी हुई खाद